अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 80

प्र.1 किन्हीं सोलह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 16

आचार्य भिक्षु (कोई बारह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) ''आतमा रा कारज सारसां, मर पूरा देसां'' आचार्य भिक्षु के मुख से निकले ये शब्द किस भावना के द्योतक हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु का गोत्र क्या था और उसका आदि स्त्रोत किस गाँव से संबद्ध है?

(ग) भीखणजी की पुत्री का विवाह कहाँ हुआ?

(घ) स्वामीजी दीक्षा से पूर्व किन–किन सम्प्रदायों के संसर्ग में आये?

(ड.) दीक्षा से पूर्व भीखणजी ने माता के लिए कितनी धनराशि की आर्थिक व्यवस्था की?

(च) राजनगर में प्रभावशाली तत्त्वज्ञ श्रावक कौन–कौन थे?

(छ) अभिनिष्क्रमण से पूर्व स्वामीजी ने तथा आचार्य जयमल ने साथ–साथ चातुर्मास कब और कहाँ किया?

(ज) स्वामीजी ने पाली में अपना प्रथम चातुर्मास कब किया था?

(झ) चंडावल में फत्तूजी आदि पांच साध्वियों से कपड़ा वापस मंगवाने हेतु स्वामीजी ने किस मुनि को भेजा?

(ञ) कौन–कौन से राज्य स्वामीजी के प्रमुख विहार क्षेत्र रहे?

(ट) स्वामीजी के शारीरिक शुभ चिन्ह देख कर कौन बहुत प्रभावित हुए?

(ठ) 'थोकड़ा' किसे कहते हैं?

(ड) अयोग्य शिष्य की स्वामीजी ने किससे तुलना की है?

(ढ़) 'जावज्जीवं सुसाहुणो गुरूणो' का क्या अर्थ है?

(ण) सिरियारी में सबसे पहले धर्म–जागरणा कब शुरू हुई व किसके सान्निध्य में हुई?

आचार्य श्री भारमलजी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(त) 'उवसग्ग' कारण का क्या अर्थ है?

(थ) आचार्य भारमलजी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(द) गूजरीबाई ने स्वामीजी को आगम की कितनी प्रतियां दी तथा पुनः कितने वर्ष बाद उन्हें स्थायी रूप से आचार्य भारमल जी को दी?

(ध) भारमलजी को युवाचार्य पद कहाँ व कब प्राप्त हुआ?

(न) आचार्य भारमलजी दिवंगत हुए उस समय धर्मसंघ में कितने साधु–साध्वियाँ विद्यमान थे?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

आचार्य श्री भिक्षु (किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) 'तस्सुत्तरी पाठ में 'तां' कितने हैं और 'तं' कितने हैं? नगजी के इस प्रश्न के उत्तर में स्वामीजी ने क्या कहा?

(ख) स्वामीजी के चबूतरे की खोज में कौन–कौन से श्रावक संलग्न थे?

(ग) तेरह में से कौन से छः साधुओं ने स्वामीजी का आजीवन साथ निभाकर तेरापंथ के अंगभूत बने?

(घ) अन्तिम चातुर्मास में स्वामीजी की सेवा में कौन–कौन से सन्त थे?

आचार्य श्री भारमलजी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(ड.) अन्तिम समय में स्वामीजी ने युवाचार्य भारमलजी के लिए क्या कहा?

(च) आपके कान क्यों नहीं बींधे गये? इस प्रश्न का उत्तर भारमलजी ने क्या दिया?

(छ) जयपुर में आचार्यश्री भारमलजी से चर्चा करने के लिए कौन–कौन से टोले के कितने साधु आये?

आचार्य भिक्षु

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 18

(क) दृष्टांत द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु का व्यक्तित्व अपराजेय था।

(ख) ''नया कलह मत कर आना'' इस दृष्टांत द्वारा स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु मानव–मन के पारखी थे।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु आजीवन आचार की शिथिलता के विरूद्ध जूझते रहे।

(घ) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु ने अपने साहित्य में कुगुरू व अविनित पर जमकर प्रहार किया।

(ड.) दृष्टांत द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु स्वभाव के जितने गम्भीर थे, उतने ही विरोधी थे।

प्र.4 ''आचार्य भिक्षु का जीवन सैनिक के जैसा था वे जीवन भर समस्याओं से संग्राम करते रहे।'' इस कथन को स्पष्ट करें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु का अभिनिष्क्रमण अनूठी धर्म–क्रांति का बिगुल था, जिसने जैन धर्म को जन जीवन में प्रतिष्ठित किया।

आचार्यश्री भारमलजी

प्र.5 सिद्ध करें कि स्वामीजी व युवाचार्य भारमलजी की जोड़ी वीर गौतम की जोड़ी थी। 6

अथवा

द्रव्य दीक्षा के चार वर्षों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्र.6 आचार्य भारमलजी के उदयपुर महाराणा के साथ हुए घटना प्रसंग को विस्तार से लिखें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य भारमलजी अनुभवी शासक थे।

प्र.7 किन्हीं चार पद्यों की पूर्ति करें – 8

(क) नान्ही वय में.....परिवार हो।।

(ख) भीखण मुनि.....रो ज्वार हो।।

(ग) श्रावक बाग.....विचार हो।।

(घ) जिनमंदिर में.....स्वीकार हो।।

(ड) तेरा मां स्यूं.....विस्तार हो।।

(च) हो आदेश.....मनुहार हो।।

प्र.8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें – 12

(क) ''सूरीपद उम्मीदवार'' वाला पद्य।

(ख) ''जय ज्योतिर्मय चिन्मय दीप जले'' गीत वाला पद्य।

(ग) स्वामीजी के साहित्य वाला पद्य।

(घ) ''अभिनिष्क्रमण'' वाला पद्य।

(ड.) ''रूं – रूं में सांवरियो बसियो'' गीत वाला पद्य।